जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर

Rashtradoot

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 33 संख्याः 59 प्रभात उदयपुर, मंगलवार 30 दिसम्बर, 2025 आर.जे. 7202 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

शनिवार को दिग्विजय सिंह ने सी.डब्ल्यु.सी. की बैठक को हिला दिया था अपने भाषण से

रविवार को दिन भर मनन चिंतन व बैठकें हुईं वरिष्ठतम नेताओं की

- रेणु मित्तल -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 दिसंबर। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने पार्टी नेतृत्व पर उसी जगह चोट की है, जहाँ सबसे ज़्यादा दर्द होता है।

शनिवार को हुई सीडब्ल्यूसी की बैठक में दिग्विजय सिंह ने संगठन का मुद्दा उठाया था और इसके बाद अगले दिन, यानी रविवार को कांग्रेस नेतृत्व ने पूरा दिन गहन विचार-विमर्श में बिताया, जिसका मुख्य फोकस संगठन ही रहा।

माना जा रहा है कि संगठन में हो रही गिरावट को लेकर गहरी चिंता करने वाली सोनिया गांधी ने फाउंडेशन डे समारोह के समाप्त होने के बाद इंदिरा भवन में मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ बैठक की। पार्टी दफ़्तर के लॉन में दोनों ने अकेले में बातचीत की।

इसके बाद खड़गे के कार्यालय में राहुल गांधी, सचिन पायलट और मल्लिकार्जुन खड़गे ने बैठक की और फिर राहुल गांधी व सचिन पायलट ने उनके कार्यालय में काफ़ी देर तक चर्चा की। इस बैठक के बाद, राहुल गांधी ने अजय माकन और के.सी. वेणुगोपाल से मुलाकात की, लेकिन थोड़ी देर बाद उन्हें बाहर जाने को कहा गया और फिर राहुल गांधी ने मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ लंबी और विस्तृत बैठक की।

- सोनिया गांधी की लंबी बातचीत हुई खड़गे के साथ, पार्टी ऑफिस के लॉन पर।
- इसके बाद खड़गे, राहुल गांधी व सचिन पायलट की बातचीत हुई खड़गे के ऑफिस में।
- फिर राहुल गांधी व सचिन पायलट की लंबी वार्ता हुई राहुल गांधी के दफ्तर में।
- इस मीटिंग के बाद के.सी. वेणुगोपाल व अजय माकन मिले राहुल गांधी से और जल्दी ही रूख़सत हो गए और राहुल गांधी व खड़गे की लंबी, गंभीर मीटिंग हुई।
- इन बैठकों में एक बात पर बार-बार चर्चा हुई कि प्रियंका गांधी को महत्वपूर्ण, गंभीर व निर्णायक भूमिका देनी चाहिए पार्टी में। फिलहाल वे ए.आई.सी.सी. में महासचिव पद पर हैं, उन्हें कोई विशेष जिम्मेवारी नहीं सौंपी गई है।
- चर्चाओं का दूसरा केन्द्र थे वेणुगोपाल, जिनका संगठन पर पूरा नियंत्रण है तथा अन्य महासचिव इससे काफी क्षुब्ध हैं, क्योंकि सभी निर्णय वेणुगोपाल लेते हैं तथा किसी अन्य महासचिव का कोई खास महत्व नहीं है और न ही उनके पास कोई काम है।
- वेणुगोपाल ने ही राहुल गांधी को समझा रखा है कि अगर प्रियंका गांधी को कोई महत्वपूर्ण जिम्मेवारी सौंपी गई तो वे वैकल्पिक ''पावर सैन्टर'' बन जाएंगी।
- पर, उल्लेखनीय बात यह भी है कि अभी तक कोई नेता दिग्विजय सिंह के खिलाफ नहीं बोला है पार्टी में।
- माना जा रहा है कि इतने मंथन व विचार-विमर्श के बाद पार्टी में काफी कुछ तब्दील होगा, पर, राहुल छोटी छुट्टी पर तीन दिन के लिए यूरोप जा रहे हैं। अतः ये परिवर्तन अब संभवतया मलमास के बाद, 14 जनवरी के बाद ही होंगे।

सूत्रों का कहना है कि दिग्विजय सिंह के हस्तक्षेप के बाद पूरी प्रक्रिया तेज़ हो गई है। यह भी पता चला है कि प्रियंका

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कोहरे से दिल्ली में 130 उड़ानें रद्द

नयी दिल्ली, 29 दिसंबर। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सोमवार सुबह घने कोहरे के कारण 130 उड़ानें रद्द रहीं और आठ उड़ानों को डायवर्ट किया गया।

एयरपोर्ट पर रविवार-सोमवार की रात दो बजे से ही दृश्यता एकदम कम हो गयी थी और उपकरण समर्थित लैंडिंग सुविधा के तहत परिचालन के लिए कैट-3 की प्रक्रिया शुरू कर दी गयी। सुबह 10 बजे तक यही स्थिति रही। बाद में धीरे-धीरे कोहरा कम हुआ। दिल्ली हवाई अड्डे के अधिकारियों ने

- रविवार रात दो बजे से सोमवार सुबह 10 बजे तक दृश्यता बहुत कम थी।

बताया कि आज दिल्ली से जाने वाली 65 और दिल्ली आने वाली इतनी ही उड़ानें रद्द रहीं। इसके अलावा, दिल्ली आने वाली आठ उड़ानों को दूसरे शहरों में डायवर्ट करना पड़ा।

उल्लेखनीय है कि कैट-3 की प्रक्रिया के दौरान सिर्फ कैट-3 से लैस विमान और इसके लिए प्रशिक्षित चालक दल के सदस्य ही लैंडिंग और टेकऑफ कर सकते हैं।

बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के असहाय होने से कानून व्यवस्था चौपट है

वी.आई.पी. हत्याकांड में भी जाँच-पड़ताल नहीं हो पा रही तथा पुलिस, इंटैलिजैंस एजेंसियां आदि केवल एक दूसरे पर जिम्मेवारी थोपने की कोशिश में व्यस्त हैं

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 दिसंबर। बांग्लादेश ने शिकायत की है कि एक युवा इस्लामी नेता की हत्या करने वाले लोग भारत के मेघालय राज्य में छिपे हुए हैं। भारत ने बांग्लादेश के इस आरोप को पूरी तरह खारिज कर दिया है।

शरीफ उस्मान हादी को ढाका में एक बैठक को संबोधित करते समय हमलावरों ने नज़दीक से गोली मारी थी और उनकी हत्या कर दी थी। हादी अवामी लीग के बड़े आलोचक थे और शेख़ हसीना के प्रधानमंत्री रहने के दौरान बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन के लिए हुए आंदोलन में उन्होंने अहम भूमिका निभाई थी।

ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस का दावा है कि हादी के हत्यारे सीमा पार कर भारत में घुसे और फिर मेघालय चले गए। पुलिस प्रवक्ता ने कहा कि आरोपी इस समय मेघालय के तुरा शहर में रह रहे हैं।

दूसरी ओर, मेघालय पुलिस ने ऐसे किसी भी घटनाक्रम से इनकार किया है और कहा है कि ढाका पुलिस के दावों के विपरीत मेघालय में सीमा पार से आए किसी भी घुसपैठिए को गिरफ्तार नहीं किया गया है।

- उदाहरण के लिए, शेख हसीना का तख्ता पलटने में अहम् भूमिका निभाने वाले शरीफ उस्मान हादी की सरेआम, गोली मारकर हत्या की गई। पर, पुलिस व इंटैलिजैंस एजेंसियां अजीबोगरीब आरोप लगा रही हैं कि हत्यारा मेघालय (भारत) में भाग कर छुप गया है।
- मेघालय सरकार व बी.एस.एफ. इसे असंभव मानते हैं। उनका कहना है, जगह-जगह सीसीटीवी कैमरे लगे हैं, पुलिस अपने सीसीटीवी कवरेज को क्यों नहीं खंगालती। मेघालय का बॉर्डर 300 किलोमीटर दूर है, ढाका से, किसी भी सीसीटीवी कवरेज में हत्यारा बॉर्डर पार करने से पहले दिख ही जाता।
- कानून व्यवस्था में सुधार तभी होगा, जब चुनाव हो जाएंगे तथा नई सरकार पदभार संभालेगी। पर, अभी तो क्षमता नहीं है, अंतरिम सरकार में, निष्पक्ष चुनाव कराने की।
- पर, अगर चुनाव निष्पक्ष नहीं हुए तो नई सरकार की विश्वसनीयता संदिग्ध रहेगी तथा वह कानून व्यवस्था स्थापित नहीं कर पाएगी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

महाराष्ट्र का एक और राजनैतिक परिवार एकता की राह पर

चाचा-भतीजा (शरद पवार और अजित पवार) के बीच पुणे और पिंपरी चिंचवाड़ नगर निगम चुनावों के लिए समझौता हुआ

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 दिसंबर। महाराष्ट्र में, चचेरे भाई राज और उद्धव ठाकरे के एकजुट होने के बाद, नैशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (एन.सी.पी.) की चाचा-भतीजा जोड़ी, शरद और अजीत पवार, ने पुणे और पिंपरी-चिंचवाड़ नगरपालिका चुनावों में एकजुट होकर चुनाव लड़ने का फैसला किया है। ये घटनाक्रम इस पश्चिमी राज्य में राजनीतिक शक्तियों के पुनः संयोजन की ओर इशारा करते हैं, हालांकि इस एकता के साथ एक शर्त भी जुड़ी हुई है। दोनों एनसीपी गुटों ने न तो आपसी विलय का निर्णय लिया है, और न ही एक चुनाव चिन्ह पर चुनाव लड़ने का फैसला किया है। उम्मीदवार अलग-अलग चुनाव चिन्हों पर चुनाव लड़ेंगे, अजीत पवार गुट के लिए ''घड़ी'' और शरद पवार गुट के लिए ''तुतारी'' (ट्रम्पैट), तथा सीटें दोनों गुटों में आपसी समझौते के अनुसार आवंटित होंगी।

- इस तालमेल को भावी एकजुटता का पथ प्रदर्शक माना जा रहा है।
- वर्ष 2023 में एन.सी.पी. का विभाजन हो गया था, उसके बाद से पार्टी लगातार कमज़ोर हुई है और पश्चिम महाराष्ट्र में भाजपा का प्रभाव बढ़ा है। शरद पवार व अजित पवार दोनों यह बात जानते हैं और अब हालात बदलना चाहते हैं।
- बीएमसी चुनाव के लिए उद्धव व राज ठाकरे एक हो गए हैं और इससे प्रेरित होकर शरद पवार व अजित पवार ने भी स्थानीय स्तर पर सीटों का तालमेल किया है। देखना यह है कि क्या यह तालमेल दूर तक जाएगा या चुनाव के साथ खत्म हो जाएगा।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नितिन नबीन राहुल के पड़ोसी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 दिसम्बर। भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नवीन को इस सप्ताह सीआरपीएफ की ज़ेड प्लस सुरक्षा दी जाएगी।

यह राष्ट्रीय पार्टी के अध्यक्ष की सुरक्षा को मज़बूत करने की एक नियमित प्रक्रिया है। इस बीच, नितिन नवीन अब कांग्रेस नेता राहुल गांधी के पड़ोसी होंगे, क्योंकि सोमवार को उन्हें राहुल गांधी के बंगले के बगल में एक सरकारी बंगला आवंटित किया गया है।

- भाजपा के नए कार्यकारी अध्यक्ष को राहुल गांधी के बगल वाला बंगला आंवटित किया गया, साथ ही उन्हें ज़ैड प्लस सुरक्षा देने की घोषणा भी की गई।

सुप्रीम कोर्ट ने अरावली पर अपना ही फैसला स्थगित किया, नया एक्सपर्ट पैनल गठित

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद कांग्रेस ने मंत्री का इस्तीफा मांगा

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 दिसम्बर। खनन से खतरे में पड़े अरावली के इकोसिस्टम को बचाने के लिए जारी संघर्ष के बीच, सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केन्द्र द्वारा प्रस्तुत अरावली श्रृंखला की नई परिभाषा को स्वीकार करने वाले अपने पहले के आदेश पर स्थगन आदेश दिया। उक्त आदेश में पर्वत श्रृंखला को 100 मीटर या उससे अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों तक सीमित किया गया था।

वहीं, केन्द्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव, जो पहले 100 मीटर की परिभाषा के पक्ष में थे, ने इस निर्णय का स्वागत किया, जबकि कांग्रेस ने इस मुद्दे पर उनका इस्तीफा मांगा।

सुप्रीम कोर्ट ने स्वतः संज्ञान मामले की सुनवाई करते हुए, अपने पहले के आदेश को रोक दिया तथा अरावली श्रृंखला की परिभाषा की व्यापक समीक्षा के लिए एक नई समिति गठित करने का निर्देश दिया।

एक्टिविस्टों और राजनीतिक नेताओं ने इसका स्वागत किया, लेकिन विपक्ष ने चेतावनी दी कि प्राचीन पर्वत श्रृंखला को बचाने की लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि एक विशेषज्ञ समिति को पहले उस पैनल की सिफारिशों के पर्यावरणीय प्रभाव की जांच करनी चाहिए, जिसने अरावली श्रृंखला को फिर से परिभाषित करने का प्रस्ताव दिया था।

उस समिति ने केवल उन भौगोलिक संरचनाओं को अरावली का हिस्सा मानने का सुझाव दिया था, जो आसपास की भूमि से 100 मीटर या उससे अधिक ऊंची हों, लेकिन आलोचकों का कहना है कि इससे 700 किलोमीटर लंबी पर्वत श्रृंखला के बड़े हिस्से में खनन और अन्य गतिविधियों से पर्यावरणीय सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली एक पीठ ने यह आदेश पारित किया, जिसमें न्यायमूर्ति जे.के. महेश्वरी और न्यायमूर्ति ऑगस्टिन जॉर्ज मसिह भी शामिल थे। यह आदेश अरावली की परिभाषा से संबंधित मुद्दों पर एक स्वतः संज्ञान मामले की सुनवाई के दौरान किया गया।

यह मामला व्यापक विरोध और

- चीफ जस्टिस सूर्य कांत, जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस ऑगस्टीन मसीह ने अरावली विवाद पर स्वतः संज्ञान लेकर सुनवाई की और आदेश दिया।
- सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि एक्सपर्ट पैनल, पूर्व पैनल द्वारा प्रस्तावित परिभाषा और सुझावों के असर की सूक्ष्म समीक्षा करेगा। ज्ञातव्य है कि पूर्व कमेटी का सुझाव था कि अरावली क्षेत्र में स्थानीय स्तर से 100 मीटर ऊंची पहाड़ियों को ही अरावली का भाग माना जाए।
- कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत किया और कहा कि लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है, यह सिर्फ अंतरिम जीत है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)